आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–19 मार्च 2026 भोजपुरी समाचार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आजु अजोध्या धाम स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र कै प्रतिष्ठापना कइ के श्रीरामलला क दरसन–पूजन कइलीं। येह दौरान वैदिक मंत्रन के बिच्चे आजु मंदिर के दुसरका तल्ला पर श्रीराम यंत्र स्थापित कइल गइल। येह मौका पर राष्ट्रपति अपने सम्बोधन में कहलिनि कि देस सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक आ सांस्कृतिक मोर्चो पर पुनर्जागरण के दौर से गुजरि रहल बा। उहां के कहलीं कि अजोध्या क श्रीराम जन्मभूमि मंदिर येह पुनर्जागरण क प्रतीक हौ। राष्ट्रपति कहलिनि कि हमनी सब एगो समावेसी समाज आ बिकसित राष्ट्र के निरमाण के दिसा में आगे बढ़ि रहली हईं।

हम सभी एक समावेशी समाज और विकसति राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ रहे हैं। प्रभू श्रीराम के आशीर्वाद से बस 2047 या शायद उससे पहले ही आप उन लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे। 21वीं सदी में हमारे समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र की परिकल्पना रामराज्य के बंधन में प्राप्त होती है।

येह मौका पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहलें कि आजु क भारत न त खाली एगो नया भारत हौ बलुक एगो बदलतो भारत हौ।

यह नया भारत है और बदलता हुआ भारत भी है। अब वर्तमान पीढ़ी जिसके बारे में लोग कहते थे ये दिग्भ्रमित है लेकिन वह दिग्भ्रमित नही है, वह सही दिशा में जा रहा है। नया वर्ष मनाता है तो मंदिरों में जाता है। परिवार के साथ जाता है और यही उसके संस्कार हैं।

हमरे संवाददाता बतवलें कि श्रीमती मुर्मु मंदिर निरमाण से जुड़ल श्रमिकन के सम्मानितो कइलीं।

राष्ट्रपति ने मंदिर निर्माण से जुड़े श्रमिकों को भी सम्मानित किया। आध्यात्मिक गुरु माता अमृतानानंदमयी ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के विभिन्न संतों के साथ इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। आज जिस श्रीराम यंत्र की पूजा की गई, उसे दो साल पहले अयोध्या लाया गया था और यह कांची कामकोटी पीठ द्वारा भेंट किया गया था। वैदिक गणित और ज्यामितीय आकृतियों पर आधारित, ये यंत्र एक पवित्र प्रतीक माना जाता है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह दिव्य ऊर्जा और सकारात्मक आध्यात्मिक स्पंदनों को प्रवाहित करता है। सुशील चंद्र तिवारी, आकाशवाणी समाचार, अयोध्या।

राष्ट्रपति आजु से उत्तर प्रदेस के तीनि दिन के दौरा पर हइनि।

****

केन्द्र सरकार की ओरि से टोल अनुपालन आ डिजिटल प्रर्वतन के मजबूत बनावे बदे राष्ट्रीय राजमार्ग सुल्क नियम–दुइ हजार छब्बीस के संसोधन के ले के अधिसूचना जारी कइल गइल हौ। एगो रिपोर्ट–

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यह संशोधन बकाया उपभोक्ता शुल्क के मामलों में एक संरचित रिकवरी तंत्र प्रदान करता है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर उपभोक्ता शुल्क की कुशल और पारदर्शी वसूली सुनिश्चित करना भी है। नियम–14 के अंतर्गत अधिसूचित बकाया उपयोगकर्ता शुल्क की रिकवरी के लिए संरचित तंत्र में प्रौद्योगिक संचालित इलेक्ट्रॉनिक ई –नोटिस प्रणाली शामिल है। इस प्रणाली में पंजीकृत वाहन मालिकों को वाहन विवरण, तिथि और स्थान तथा देय धनराशि निर्दिष्ट करना होगा। संशोधन के अनुसार एक ई–नोटिस के जवाब में बकाया देय उपभोक्ता शुल्क वास्तविक टोल शुल्क का दुगुना होगा। रिशु की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से मैं प्राची।

****

बिदेस मंत्रालय क तथ्य जांच इकाई सोसल मीडिया पर चलि रहल ओह दावन क खण्डन कइले हौ जेहमें भारत आ ईरान के बिच्चे टकराव क बाति कहल गइल बा। तथ्य जांच इकाई येह दावा के फरजी बतवले हौ।

****

चइत नवरातर के पहिला दिन्ने आजु भिन्नहियें से प्रदेस भर के सक्तिपीठन आ देवी मंदिरन में सरधालुअन क भारी भीड़ि लागल बा। बलरामपुर कै देवीपाटन, मिर्जापुर क मां विन्ध्यवासिनी शक्तिपीठ, गोरखपुर क तरकुलहा देवी आ बुढ़िया माई मंदिर, महराजगंज जिला क लेहड़ा देवी मंदिर अउर जौनपुर में माता शीतला चौकिया धाम के सथहीं कई जिलन के देवी मंदिरन में भिन्नहियें से मां दुर्गा के पहिला स्वरूप माता शैलपुत्री क पूजा–अर्चना कइल जा रहल बा। विन्ध्याचल धाम के मां विन्ध्यवासिनी देवी मंदिर में काल्हि देर रतिये से सरधालुअन क भारी भीड़ि बा।

माँ विन्ध्यवासिनी की जय–जयकारों के बीच प्रसिद्ध शक्तिपीठ विन्ध्याचल मे वासंतिक नवरात्र मेला प्रारंभ हो चुका है। कल से ही श्रद्धालुओं के विन्ध्याचल पहुंचने का सिलसिला अभी भी जारी है। भोर मे कलश स्थापना व मंगला आरती के बाद जैसे ही मंदिर के कपाट खुले समूची विन्ध्य नगरी घंटा घड़ियाल के साथ मां के जय–जयकारों से गूंज उठी। विभिन्न प्रांतों व जनपदों से बड़ी संख्या मे आये श्रद्धालु गंगा स्नान कर मां विन्ध्यवासिनी , माँ अष्टभुजा, माँ काली व माँ तारा देवी का दर्शन, पूजन कर त्रिकोण परिक्रमा पूरी कर रहें हैं। नवरात्र पर्व के अवसर पर सभी मंदिरों को बड़े आकर्षक ढंग से सजाया गया है। एस एम सबा आकाशवाणी समाचार विन्ध्याचल।

****

मौसम विभाग आजु पच्छिमी उत्तर प्रदेस में कई जगहिनि पर ओहीं पूरबी उत्तर प्रदेस में कहीं–कहीं बरखा आ गरज–चमकि के साथे बौछार परले क सम्भावना जतवले हौ।

****